

गिरिकंदरामां तथा श्रीशु स्वरूपमां श्रीमद् भागवतशुना द्वादश स्कंधोनुं स्थान रहस्य



गुरु-भस्तिष्कपर शुक्रदेवशु
वेदमाता-गायत्री, द्वितीय स्कंध

यतुर्व्यूहात्मक गिरिकंदरानिकुंजदर्शन
१. वासुदेव-स्वयंश्रीनाथशु-शरणागतने मुक्ति

२. संकषेण-जलराम-संहारलीला
३. प्रधुम्न-वंशवृद्धिलीला
४. अनिरुद्ध-धर्मरक्षालीला

कपिलमुनी
सांख्यशास्त्र प्रणेता
तृतीय स्कंध

वसिष्ठमुनी - कर्ममार्ग
सनकादिक - ज्ञान मार्ग
विध्वज - भक्तिमार्ग

अेकादश स्कंध
मुक्ति लीला

नरनारायणानी जेडी
कर्तव्य कृपाशक्ति
षष्ठम् स्कंध

नीचे गुकेली आंभो
कृपावर्षां

द्वादशस्कंध आश्रय
आश्रय-द्वादशस्कंध

मेघ-यज्ञभलि, यज्ञनी विभावना
यतुर्थ स्कंध स्थण कालयक प्रारंभ

यतुर्थस्कंध विसर्ग लीला

मेघराशिथी
भूगोलभगोल विस्तार
पंचमस्कंध

वासुकिनाग समुद्रमंथनलीला
शेषनाग - अष्टमस्कंध

अष्टम स्कंध
मन्वन्तरलीला

दशमस्कंध निरोधलीला

तृतीय स्कंध सर्गलीला

कंहसरी श्रीमद् वल्लभाचार्यशुना
वहुशु अक्काशुद्वारा प्रहसंभंण
दीक्षा-समर्षण प्रतीक

सप्तम स्कंध
तिथिलीला

नवम स्कंध धशानुकथा

कालसर्प-तक्षक
मृत्यु-मुक्ति
अेकादश स्कंध

नृसिंह अवतार
सिंह राशि
सप्तम स्कंध

पंचम स्कंध स्थानलीला

शेषावतार
जलदेवशु

कामधेनु पृथुअवतार
गाय भजने
पृथ्वी धर्म

षष्ठम स्कंध
पोषण लीला

वृषभराशि
प्रथम स्कंध

भोरनी जेडी
रामावतार, कृष्णावतार
निष्कारण विशुद्ध प्रेमप्रतीक
अहेतुकी कृपा
नवम, दशम् स्कंध

प्रथम स्कंध
अधिकार लीला

द्वितीय स्कंध
साधन लीला

गिरि
कंदरा

गिरि
कंदरा

निकुंजद्वारे

भार गडीवाणा पानबीडां
द्वादश निकुंजभाव



नायकनी नृत्यमुद्रामां ठाडा श्रीशु



श्रीयमुनाशु-यतुर्थप्रिया
जलतत्त्व-भुद्धिनुं समर्षण